

Pericopes & Key Sentences in 1 Corinthians Ch 1-7

| Ch | Vs | Pericope   | Key Sentences (NKJV)  |  |  |
|----|----|--|---|--|--|
| 1  | 1  | Greeting from Called-by-God Apostle Paul, and brother Sosthenes            | Grace to you and peace from God our Father and the Lord Jesus Christ.   |  |  |
|    | 2  |  |   |  |  |
|    | 3  |  |   |  |  |
|    | 4  | Thanks for the Gifts & Knowledge Provided by God to the Corinthians        |   |  |  |
|    | 5  |  |   |  |  |
|    | 6  |  |   |  |  |
|    | 7  |  |   |  |  |
|    | 8  |  |   |  |  |
|    | 9  |  |   |  |  |
|    | 10 |  |   | Appeal to Stop Divisions: "I am of..." Paul, Apollos, Cephas, and Christ |  |
|    | 11 |  |   |  |  |
|    | 12 |  |   |  |  |
|    | 13 |  |   |  |  |
|    | 14 |  |   |  |  |
|    | 15 |  |   |  |  |
|    | 16 |  |   |  |  |
|    | 17 |  |   |  |  |
|    | 18 | Christ Crucified—the Power & Wisdom of God—is Foolish to the <i>Kosmos</i> | For the message of the cross is foolishness to those who are perishing, but to us who are being saved it is the power of God. |  |  |
|    | 19 |  |   |  |  |
|    | 20 |  |   |  |  |
|    | 21 |  |   |  |  |
|    | 22 |  |   |  |  |
|    | 23 |  |   |  |  |
|    | 24 |  |   |  |  |
|    | 25 |  |   |  |  |
|    | 26 |  |   | So, our 'Boasting' Is Only to be in the LORD                             |  |
|    | 27 |  |   |  |  |
|    | 28 |  |   |  |  |
|    | 29 |  |   |  |  |
|    | 30 |  |   |  |  |
|    | 31 |  | "He who glories, let him glory in the Lord." [OT quotation]   |  |  |
| 2  | 1  | Christ Crucified is the Message of God's Power and Wisdom                  | For I determined not to know anything among you except Jesus Christ and Him crucified.  |  |  |
|    | 2  |  |   |  |  |

| Ch | Vs | Pericope  | Key Sentences (NKJV)   |
|----|----|---|--|
|    | 3  |   |  |
|    | 4  |   |  |
|    | 5  |   |  |
|    | 6  | God's Wisdom is Revealed Solely by God's Holy Spirit      |  |
|    | 7  |   |  |
|    | 8  |   |  |
|    | 9  |   |  |
|    | 10 |   |  |
|    | 11 |   |  |
|    | 12 |   |  |
|    | 13 |   |  |
|    | 14 |   |  |
|    | 15 |   |  |
|    | 16 |   | But we have the mind of Christ.  |
| 3  | 1  | The Immaturity / <i>Sarx</i> of the Believer's at Corinth |  |
|    | 2  |   |  |
|    | 3  |   |  |
|    | 4  |   |  |
|    | 5  | The Proper Role / Perspective of God's Servant-Messengers |  |
|    | 6  |   |  |
|    | 7  |   |  |
|    | 8  |   |  |
|    | 9  |   |  |
|    | 10 |   |  |
|    | 11 |   | For no other foundation can anyone lay than that which is laid, which is Jesus Christ.   |
|    | 12 |   |  |
|    | 13 |   |  |
|    | 14 |   |  |
|    | 15 |   |  |
|    | 16 |   | Do you not know that you are the temple of God and that the Spirit of God dwells in you? |
|    | 17 |   |  |
|    | 18 | The Folly, and Ruin, of the Wisdom of the <i>Kosmos</i>   |  |
|    | 19 |   | For the wisdom of this world is foolishness with God.                                    |
|    | 20 |   |  |

| Ch       | Vs | Pericope  | Key Sentences (NKJV)  |
|----------|----|---|---|
|          | 21 |   | Therefore let no one boast in men.  |
|          | 22 |   |   |
|          | 23 |   |   |
| <b>4</b> | 1  | Paul as a Steward / Guardian of the Mysteries of God  |   |
|          | 2  |   |   |
|          | 3  |   |   |
|          | 4  |   |   |
|          | 5  |   |   |
|          | 6  | Paul's Necessary Humility before God and Men          |   |
|          | 7  |   |   |
|          | 8  |   |   |
|          | 9  |   |   |
|          | 10 |   |   |
|          | 11 |   |   |
|          | 12 |   |   |
|          | 13 |   |   |
|          | 14 | Paul's Concern for the Errant Corinthian Believers    |   |
|          | 15 |   |   |
|          | 16 |   |   |
|          | 17 |   | I have sent Timothy to you, who is my beloved and faithful son in the Lord              |
|          | 18 |   |   |
|          | 19 |   |   |
|          | 20 |   |   |
|          | 21 |   |   |
| <b>5</b> | 1  | Blatant Immorality + Pride = Defilement of the Church |   |
|          | 2  |   |   |
|          | 3  |   |   |
|          | 4  |   |   |
|          | 5  |   |   |
|          | 6  |   | Your glorying is not good. Do you not know that a little leaven leavens the whole lump? |
|          | 7  |   |   |
|          | 8  |   |   |
|          | 9  | The Cure Requires: Judgment + Humility                |   |
|          | 10 |   |   |

| Ch | Vs | Pericope   | Key Sentences (NKJV)  |
|----|----|--|---|
|    | 11 |  |   |
|    | 12 |  |   |
|    | 13 |  |   |
| 6  | 1  | Lawsuits among Believers in Civil Courts Disgraces God                               |   |
|    | 2  |  |   |
|    | 3  |  |   |
|    | 4  |  |   |
|    | 5  |  |   |
|    | 6  |  |   |
|    | 7  |  |   |
|    | 8  |  |   |
|    | 9  |  |   |
|    | 10 |  |   |
|    | 11 |  | But you were washed, but you were sanctified, but you were justified in the name of the Lord Jesus and by the Spirit of our God.              |
|    | 12 | Flee <i>Porneia</i> [Idolatry], by Glorifying God in Body ( <i>Soma</i> ) and Spirit | All things are lawful for me, but all things are not helpful. All things are lawful for me, but I will not be brought under the power of any. |
|    | 13 |  |   |
|    | 14 |  |   |
|    | 15 |  |   |
|    | 16 |  |   |
|    | 17 |  |   |
|    | 18 |  |   |
|    | 19 |  | Do you not know that your body is the temple of the Holy Spirit who is in you, whom you have from God, and you are not your own?              |
|    | 20 |  |   |
| 7  | 1  | Principles of Marriage   |   |
|    | 2  |  |   |
|    | 3  |  |   |
|    | 4  |  |   |
|    | 5  |  |   |
|    | 6  |  |   |
|    | 7  |  |   |
|    | 8  |  |   |
|    | 9  |  |   |
|    | 10 | Keeping One's Marriage Vows  |   |

| Ch | Vs | Pericope                                  | Key Sentences (NKJV)   |
|----|----|---|--|
|    | 11 |   |  |
|    | 12 |   |  |
|    | 13 |   |  |
|    | 14 |   | For the unbelieving husband is sanctified by the wife, and the unbelieving wife is sanctified by the husband; otherwise your children would be unclean, but now they are holy. |
|    | 15 |   |  |
|    | 16 |   | For how do you know, O wife, whether you will save your husband?<br>Or how do you know, O husband, whether you will save your wife?  |
|    | 17 | Living the Life God Has Assigned          |  |
|    | 18 |   |  |
|    | 19 |   |  |
|    | 20 |   |  |
|    | 21 |   |  |
|    | 22 |   |  |
|    | 23 |   |  |
|    | 24 |   | Brethren, let each one remain with God in that state in which he was called.   |
|    | 25 | Counsel for the Unmarried, and for Widows |  |
|    | 26 |   |  |
|    | 27 |   |  |
|    | 28 |   |  |
|    | 29 |   |  |
|    | 30 |   |  |
|    | 31 |   |  |
|    | 32 |   |  |
|    | 33 |   |  |
|    | 34 |   |  |
|    | 35 |   |  |
|    | 36 |   |  |
|    | 37 |   |  |
|    | 38 |   |  |
|    | 39 |   |  |
|    | 40 |   |  |